



कार्यालय, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित

ए-25 व्ही.आई.पी.इस्टेट, खम्हारडीह, शंकर नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492007

दूरभाष : (0771) 4065100-4065110 फ़ैक्स : 2283594

क्र./वनो./संघ/2011/ 8116

रायपुर, दिनांक 4/07/2011

प्रति,

समस्त प्रबंध संचालक,  
जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित,  
छत्तीसगढ़

अति महत्वपूर्ण

विषय:- माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में दायर S.L.P. याचिकाकर्ता तेन्दूपत्ता केताओं से मूल्य संवर्धित कर की बकाया राशि वसूलने के संबंध में ।

संदर्भ:- कार्यालयीन पत्र क्रमांक/वनो./संघ/2011/5502 दिनांक 29.04.2011 ।

--00--

कृपया संदर्भित पत्र का अवलोकन करें, जिसमें तेन्दूपत्ता केताओं द्वारा प्रदेश में विक्रित तेन्दूपत्ते पर देय मूल्य संवर्धित कर के स्थान पर केन्द्रीय विक्रय कर मूल्य देय होने के संबंध में 604 याचिकाओं पर माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर के सिंगल जज द्वारा दिनांक 01.10.2010 को आदेश पारित किया गया, जिसके अनुसार - The petitioners are liable to pay all the taxes accordingly under the provisions of the State Acts. All the interim reliefs granted earlier stand vacated. **The petitioners are accordingly directed to make payment of balance amount of taxes to the respondent State, as aforesaid.** अर्थात् प्रदेश में विक्रित तेन्दूपत्ते पर 25 प्रतिशत की दर से मूल्य संवर्धित कर जमा कराने हेतु याचिकाकर्ताओं को आदेश दिये गये थे ।

उक्त आदेश दिनांक 01.10.2010 के विरुद्ध 246 अपीलकर्ताओं द्वारा माननीय उच्च न्यायालय के युगल पीठ में अपील दायर की गई थी, जिसमें माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर द्वारा दिनांक 19.04.2011 को आदेश पारित किया जाकर माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर के सिंगल जज द्वारा पारित आदेश दिनांक 01.10.2010 को यथावत् रखा गया है, अर्थात् समस्त याचिकाकर्ता तेन्दूपत्ता केताओं से राज्य में प्रचलित कर अर्थात् मूल्य संवर्धित कर 25 प्रतिशत की दर से वसूली किये जाने हेतु लेख किया गया है ।

माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर के युगल पीठ द्वारा पारित आदेश दिनांक 19.04.2011 के विरुद्ध कुछ याचिकाकर्ता केताओं द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में **Petition(s) for Special leave to Appeal (Civil)[S.L.P.]** दायर किया गया है । माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में दायर S.L.P. क्रमांक 12588/2011 याचिकाकर्ता केता मेसर्स जुनैद इंटरप्राइजेज एवं अन्य विरुद्ध छत्तीसगढ़ शासन एवं अन्य में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 11.05.2011 में निम्नानुसार आदेश परित है :-

In the meantime, the petitioners shall continues to pay the VAT in term of the demand prospectively. So far the arrears are concerned, the petitioners shall pay 50% of the demand within eight weeks and for the remaining 50%, security as may be available may be furnished after giving proper credit to the payment already made of the inter-state sales tax. अर्थात् समस्त याचिकाकर्ताओं को तेन्दूपत्ता क्रय पर राज्य में प्रचलित कर 25 प्रतिशत की दर से मूल्य संवर्धित कर का भुगतान

करना है तथा पुरानी देय राशि (Arrears) की आधी राशि 8 सप्ताह के अंतर नगद में व शेष 50 प्रतिशत राशि की प्रतिभूति जमा कराने के निर्देश दिये गये है। अतः ऐसे प्रकरणों में क्रेता के द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की प्रति प्रस्तुत करने पर VAT की देय पुरानी राशि के एरियर्स की वसूली संबंधी कार्यवाही माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा पारित अंतरिम आदेश अनुसार किया जाना सुनिश्चित करें तथा जिन क्रेताओं द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में S.L.P. दायर नहीं किया गया है, उनके संबंध में संदर्भित पत्र में दिये गये निर्देशानुसार वैट की राशि की वसूली की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें।

जहाँ तक प्रतिभूति (Security) का प्रश्न है, क्रेताओं से बैंक की प्रबंध संचालक छ.ग. राज्य लघुवनोपज संघ के पक्ष में सावधि जमा रसीद (FDR) जो कि क्रेता द्वारा पिछले पृष्ठ पर रसीदी टिकट चस्पा कर हस्ताक्षर कर डिस्चार्ज किया गया हो एवं फर्म/कंपनी होने की स्थिति में फर्म/कंपनी की मुद्रा (सील) भी लगी हो अथवा संलग्न Annexure A में एक वर्ष की बैंक गारंटी प्राप्त की जावे। गारंटी की बैंक से पुष्टि संलग्न Annexure B में कराई जावे तथा गारंटी का नवीनीकरण भी अवधि समाप्त होने के पूर्व अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जावे।

संलग्न-उपरोक्तानुसार।

*Alsyk*  
प्रबंध संचालक

छ.ग.राज्य लघु वनोपज संघ, रायपुर

रायपुर, दिनांक 4 /07/2011

पृ.क्र./वनो./संघ/2011/ 8117

प्रतिलिपि :-

(1) आयुक्त वाणिज्यिककर, छत्तीसगढ़ रायपुर की ओर अग्रेषित कर लेख है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 11.05.2011 किन-किन क्रेताओं पर प्रभावशील होगा की सूची शीघ्र उपलब्ध कराने का कष्ट करें, ताकि माननीय न्यायालय के आदेश के अनुरूप कार्यवाही की जा सके।

(2) समस्त वन संरक्षक एवं पदेन महाप्रबंधक छत्तीसगढ़ की ओर अग्रेषित कर लेख है कि संबंधित क्रेताओं से मूल्य संवर्धित कर की अवशेष राशि वसूली हेतु उपरोक्तानुसार कार्यवाही करने हेतु समस्त प्रबंध संचालक जिला यूनियन को आप अपने स्तर से भी निर्देशित करने का कष्ट करें तथा वसूली की समीक्षा करें।

संलग्न-उपरोक्तानुसार।

*Alsyk*  
प्रबंध संचालक

छ.ग.राज्य लघु वनोपज संघ, रायपुर

%

## ANNEXURE - A

### DEED OF BANK GUARANTEE

In consideration of order dated ..... of Hon'ble Supreme Court in special leave petition no. .... in the Chhattisgarh State Minor Forest Produce (Trading & Development) Co-operative Federation Limited, A-25, V.I.P.Estate, Near VIP Club, Khamhardih, Shankar Nagar, Raipur (hereinafter called the 'Federation', which expression shall, where the context so admits, include its successors in office), having agreed to exempt Messers/Shri ..... S/o ..... of ..... Village ..... Police Station ..... Post ..... District of ..... State ..... (hereinafter called the 'Purchaser of Kreta, which expression shall, where the context so admits, include his heirs executors, administrators and representatives) from immediate full payment of C.G. State Value Added Tax for Tendu leaves Lot(s) purchased by him to the extent of Rs. .... (Rupees ..... only) in cash (hereinafter called the said amount) and accept in lieu there of Bank Guarantee from the purchaser. The details of tendu leaves lots are as follows : -

S.No.	Collection Year	Lot No.	Amount of Value Added Tax (In Rs.)
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			
9.			
10.			
<b>Total</b>			

We ..... (hereinafter referred to as Bank) which

(indicate the name of Bank)

expression shall, where the context so admits, include their successors and assignees), at the request of the said purchaser do hereby under take to pay to the Managing Director, District Forest Produce Co-operative Union Ltd. And Divisional Forest Officer ..... Division (hereinafter called Managing Director) an amount not exceeding Rs. (in figures) ..... Rs. (in words) ..... Only against the C.G. State Value Added Tax of lot(s) purchased by the purchaser.

2. We ..... do hereby undertake to pay the amounts due

(indicate the name of Bank)

and payable under this guarantee without any demur and merely on a demand from the Managing Director, District Union stating that the amount claimed is due by way of C.G. State Value Added Tax of the lot(s) purchased by the purchaser. Any such demand made on the Bank shall be conclusive as regards the amount due and shall be payable by the Bank under this guarantee. However, our liability under this guarantee shall be restricted to an amount not exceeding Rs. (in figures) ..... Rs. (in words)..... Only).

3. We ..... under take to pay to the Managing Director

(indicate the name of Bank)

any money so demanded not with standing any dispute or disputes raised by the purchaser, our liability under this present guarantee being absolute and unequivocal. The payment so made by us under this bond shall be a valid discharge of our liability for payment there under and the purchaser shall have no claim against us for making such payment.

4. We ..... further agree that the Guarantee herein

(indicate the name of Bank)

contained shall remain in full force and effect during the period as per Hon'ble Supreme Court order. Unless demand or claim under this guarantee is made on us in writing on or before ..... (date) .....(month) ..... (year), we shall be discharged from all liability under this guarantee thereafter.

5. This guarantee will not be discharged due to the change in the constitution of the Bank or the said purchaser.

6. We, ..... lastly undertake not to

(indicate the name of Bank)

revoke this guarantee during its currency except with the previous consent of the Federation/Conservator of Forest ..... Circle/Managing Director, Union in writing.

Dated the ..... Day of..... (month) .....(Year)

Seal of the Bank

(Signature of the Authority  
Issuing Bank Guarantee)  
(Indicate the name of Bank)

Name .....

Designation .....

**N.B.:** Simultaneously with the issuing of this Bank guarantee the Bank has sent separately vide Register A.D. letter No. .... dated ..... Intimation to the Managing Director, District Forest Produce Co-operative Union Ltd. And Division forest officer ..... Division in the form prescribed (sample form enclosed) by the Federation that this Bank Guarantee be treated as genuine, for the purpose.

(Signature of the Authority  
Issuing Bank Guarantee)  
(Indicate the name of Bank)

Name .....

Designation .....

(Seal of Bank)

REGISTERED A.D.

ANNEXURE - B

Office of the Branch Manager

..... Branch  
..... Bank  
..... (Floor)  
..... (Place)  
..... (District)  
..... (State)

To,

The Managing Director  
District Forest Co-operative Union Ltd. .... and  
Divisional Forest Officer,  
..... Division  
..... Chhattisgarh

Sub:- Issue of Bank guarantee in your favour on account of

M/S/Shri ..... S/o  
..... of (Village) ..... (Police Station)  
..... (Post office) ..... (District)  
..... (State) ..... for Rs. ....  
(Rupees .....only).

Dear Sir,

I beg to inform you that a Bank Guarantee bearing No ..... dated  
..... for Rs. .... (Rupees  
..... only), has been issued by this Bank, in your favour on  
account of M/s/Shri ..... Son of  
..... of ..... village  
..... (Police Station) ..... (Post Office) .....  
(District) ..... Of ..... (State)  
..... for the purpose of guaranteeing the payment of C.G.  
State Value Added Tax of Tendu leaves lot(s) purchased by the said M/s/Shri  
.....

2. The aforesaid Bank Guarantee has been issued as required by the Hon'ble Supreme Court order dated ..... in special leave petition no. ....

3. The Bank Guarantee has been drawn in the proforma prescribed by the Federation and bears the official seal of the Bank. It has been signed by the issuing authority of the Bank.

Thanking you,

Yours faithfully

Dated:

(Signature of Branch Manager)

(Seal of Bank)